AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

परीक्षा से पहले कॉलेजों में 33% सीट वृद्धि

लखनऊ विवि ने एक दर्जन कॉलेजों में सीट बढ़ाने की दी मंजूरी

अक्षय कुमार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस बार जनवरी में सहयुक्त महाविद्यालयों में 33 फीसदी सीट वृद्धि को हरी झंडी दी है। विश्वविद्यालय ने लखनऊ समेत चार जिलों के एक दर्जन कॉलेजों में 33 फीसदी सीट वृद्धि पर मुहर लगाई है। वहीं, इनकी परीक्षाएं फरवरी में प्रस्तावित की जा रही हैं। जानकारी के अनुसार, कॉलेजों द्वारा पूर्व में किए गए प्रवेश को इसके माध्यम से नियमित करने की कवायद की गई है।

विश्वविद्यालय में इस बार स्नातक प्रवेश अक्तूबर-नवंबर तक चले हैं। हालांकि, सहयुक्त महाविद्यालयों में इससे पहले ही प्रवेश लगभग पूरे हो गए थे। उस समय भी कॉलेजों ने सीट वृद्धि की मांग की थी। उस समय तो विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस पर निर्णय नहीं लिया किंतु दिसंबर में उसने पांचों जिलों के लिए अलग-अलग कमेटी बनाकर कॉलेजों की सीट वृद्धि के आवेदन पर स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट मांगी थी। हाल में इन कमेटियों ने कॉलेजों का निरीक्षण कर संस्तुति दे दी है।

इस क्रम में कमेटियों की संस्तुति के आधार पर लखनऊ, लखीमपुर खीरी व हरदोई में

पूर्व में कॉलेजों में हुए प्रवेश को बैक डोर से नियमित करेंगे

एक दर्जन कॉलेजों में सीट वृद्धि को हरी झंडी दी गई है। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी सूचना में कहा गया है कॉलेजों के अनुरोध के क्रम में 2021-22 के लिए सीट वृद्धि के प्रस्ताव पर नामित समितियों की सीट वृद्धि की संस्तुति मिली है।

इसमें पूर्व में स्वीकृत सीटों के सापेक्ष 33 फीसदी की बढ़ोतरी, लेकिन किसी भी दशा में एक सेक्शन में 80 से अधिक सीट नहीं होगी। माना जा रहा है कि इसका कारण पूर्व में कॉलेजों में हुए प्रवेश को नियमित करना है। हालांकि जनवरी में प्रवेश कैसे होंगे, इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अगर किसी कॉलेज में यह स्थिति होगी तो वह प्रवेश लेंगे अन्यथा नहीं।

सीट वृद्धि वाले कॉलेज-कोर्स

- अटल बिहारी बाजपेई नगर निगम डिग्री कॉलेज लखनऊ- बीए व बीएससी
- शिया पीजी कॉलेज लखनऊ- बीए, बीएससी व बीकॉम
- टेक्नो इंस्टीट्यूट ऑफ हॉयर स्टडीज लखनऊ- बीकॉम
- सुभाष चंद्र बोस पीजी कॉलेज हरदोई- बीएससी एजी, एमएससी एजी
- रामबेटी देव नारायण बाजपेई कॉलेज हरदोई- बीएससी
- राम प्रसाद कुशवाहा महाविद्यालय हरदोई- बीए व बीएससी
- स्वामी ब्रह्मानंद महाविद्यालय हरदोई- बीए व बीएससी
- श्री पीएल वर्मा टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज हरदोई- बीएससी
- अजय पाल सिंह डिग्री कॉलेज हरदोई- बीएससी
- दिव्य कृपाल पीजी कॉलेज हरदोई- बीएससी व एमएससी
- मोहम्मद नजीर फातिमा पीजी कॉलेज हरदोई- बीएससी
- डॉ. भीमराव अंबेडकर पीजी कॉलेज, मुराद नगर लखीमपुर खीरी- एमए चित्रकला

लविवि में खाली सीटें नहीं भरीं

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने कॉलेजों के लिए तो काफी दरियादिली दिखाई, लेकिन विश्वविद्यालय की खाली सीटों पर उसने प्रवेश नहीं लिए। यहां 1141 सीटें इस बार खाली हैं, जबकि कई बार विद्यार्थियों ने इसके लिए विरोध-प्रदर्शन कर ज्ञापन भी दिया था। विवि प्रशासन का यह तर्क था कि इतनी देरी से प्रवेश होंगे तो फिर विद्यार्थियों की पढ़ाई कैसे होगी? सवाल यह भी है कि कॉलेजों में इन सीटों पर प्रवेश होंगे तो उनकी पढ़ाई कैसे होगी।

एनईपी के अनुसार होंगी पहले सेमेस्टर की परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विवि में स्नातक कोर्सों में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) लागू होने के बाद अब पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों की परीक्षा कराने की तैयारी में लगा हुआ है। इस क्रम में नए अध्यादेश के अनुसार उक्त विद्यार्थियों की परीक्षा भी करानी है, जिसके तहत अब अध्यादेश को एकेडमिक काउंसिल से पास कराने की कवायद शुरू हुई है। इसे बाई सर्कुलेशन पास करने के लिए सभी सदस्यों से सुझाव मांगे गए हैं।

लविवि प्रशासन नया अध्यादेश पास करने की तैयारी में

यूडीआरसी निदेशक प्रो. अनिल मिश्रा की ओर से जारी सूचना में कहा गया है कि विद्या परिषद सोमवार को परिसंचरण के जरिये आयोजित है। इसके माध्यम से आहूत विद्या परिषद की बैठक में पूर्व में गठित समिति द्वारा तैयार पहला यूजी आर्डिनेंस 2021 (एनईपी) सदस्यों के सामने प्रस्तुत किया गया है। इस पर सभी की सहमति मांगी गई है। जानकारी के अनुसार इसी नए अध्यादेश के आधार पर अब पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि परिषद की सहमति से कुलपति ने तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। वहीं विभागों से भी सुझाव लिए गए थे, जिसके आधार पर अध्यादेश को तैयार कराकर पास करने के लिए रखा गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

कॉलेज 30 जनवरी तक बंद रहेंगे

लविवि द्वारा आदेश जारी कर कहा गया है कि विश्वविद्यालय व सहयुक्त कॉलेज अब भौतिक रूप से 30 जनवरी तक बंद रहेंगे। इस दौरान पूर्व की भांति ऑनलाइन क्लास आयोजित होंगी। रजिस्ट्रार ने सभी संबंधितों को पत्र भेजकर इसका अनुपालन करने को कहा है।

HINDUSTAN PAGE 7

एलयू में 30 तक कक्षाएं ऑनलाइन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और सम्बद्ध कॉलेजों में अभी ऑनलाइन कक्षाएं ही जारी रहेंगी। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि कोरोना संक्रमण के मद्देनजर शासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करते हुए यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि इस दौरान प्रशासनिक कार्य अनवरत चलते रहेंगे और पढ़ाई का सारा काम ऑनलाइन ही किया जाएगा।

i-NEXT PAGE 2 & 4

एलयू व संस्थान 30 जनवरी तक बंद

LUCKNOW(22 Jan): शासन का आदेश आने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर एवं सहयुक्त महाविद्यालय 30 जनवरी तक बंद रहेंगे. इस दौरान आनलाइन कक्षाएं संचालित रहेंगी. शनिवार को कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने निर्देश जारी कर दिए हैं. कोरोना की वजह से अभी तक 23 जनवरी तक बंद रखने के आदेश थे.

JAGRAN CITY PAGE I

मक्के के बीज में आयरन बढ़ाने पर होगा शोध

लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के शिक्षक को मिला प्रोजेक्ट, पौधे उगाकर देखेंगे किस तरह हो रहा परिवर्तन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही मक्के के बीज में आयरन बढ़ाने पर शोध करेगा। शासन के रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत वनस्पति विज्ञान विभाग के शिक्षक डा. राजेश कुमार तिवारी को शोध प्रोजेक्ट मिला है। जल्द ही यह शोध कार्य शुरू होगा। मनुष्य के शरीर में आयरन की पर्याप्त मात्रा न पहुंचने की वजह से एनेमिया की समस्या हो जाती है। मक्के के बीज में आयरन की मात्रा 10 से 30 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम होती है, जो कि पर्याप्त नहीं है। लवि के वनस्पति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. राजेश कुमार तिवारी बताते हैं कि शोध का मुख्य फोकस मक्के के बीज में आयरन बढ़ाना है। इसके पौधे उगाकर देखेंगे कि किस तरह का परिवर्तन हो रहा है।

पापुलर के पौधे में लकड़ी की ग्रोथ बढ़ाने पर शोध शुरूः वनस्पति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. राजेश कुमार तिवारी को काउंसिल आफ साइंटिस्ट एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआइआर) की ओर से एक और शोध प्रोजेक्ट मिला है। 29 लाख रुपये के इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत पापुलर के पौधे में लकड़ी की ग्रोथ को बढ़ाने पर शोध करना है, ताकि अधिक लकड़ी मिल सके। शोध के लिए उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर की न्यू बाटनी बिल्डिंग में पापुलर के 50 पौधे लगा दिए गए हैं। डा. तिवारी ने बताया कि पापुलर के पौधे के जिस भाग में प्रतिक्रिया शील आक्सीजन प्रजातियां ज्यादा होती हैं, वहां ग्रोथ की संभावनाएं अधिक हैं।

मक्के के बीज में आयरन बढ़ाने पर किया जाएगा शोध

LUCKNOW(22 Jan): लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही मक्के के बीज में आयरन बढ़ाने पर शोध करेगा. शासन के रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत वनस्पति विज्ञान विभाग के शिक्षक डा. राजेश कुमार तिवारी को शोध प्रोजेक्ट मिला है. जल्द ही यह शोध कार्य शुरू होगा.

मनुष्य के शरीर में आयरन की पर्याप्त मात्रा न पहुंचने की वजह से एनेमिया की समस्या हो जाती है. मक्के के बीज में आयरन की मात्रा 10 से 30 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम होती है, जो कि पर्याप्त नहीं है. लवि के वनस्पति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. राजेश कुमार तिवारी बताते हैं कि शोध का मुख्य फोकस मक्के के बीज में आयरन बढ़ाना है. इसके पौधे उगाकर देखेंगे कि किस तरह का परिवर्तन हो रहा है.

रेगुलर से महंगी पार्ट टाइम पीएचडी डिग्री

लवि प्रशासन ने हाल ही में वेबसाइट पर जारी किया है फीस स्ट्रक्चर

LUCKNOW(22 Jan): लखनऊ विश्वविद्यालय में पहली बार शुरू की गई पार्ट टाइम पीएचडी की फीस रेगुलर पीएचडी से अधिक है. जहां रेगुलर में फीस करीब 14 हजार रुपये वार्षिक है. वहीं, पार्ट टाइम में यह 52,580 रुपये है. यही नहीं, पीएचडी थीसिस जमा करने पर 24,000 रुपये अलग से देने होंगे. इसके अलावा विज्ञान और कला के विषयों में होने वाले प्रैक्टिकल और लैब फीस भी प्रति वर्ष देनी होगी. पार्ट टाइम पीएचडी दाखिले शुरू होने के बाद हाल ही में विश्वविद्यालय प्रशासन ने फीस का विवरण वेबसाइट पर जारी किया है.

52,580 रुपये देनी होगी फीस

लवि ने शैक्षिक सत्र 2020-21 में पार्ट टाइम पीएचडी के लिए 25 विषयों में 92 सीटों पर आवेदन लिए थे. साक्षात्कार के बाद अब तक 17 विषयों के परिणाम जारी कर प्रवेश प्रक्रिया चल रही है. अभी कुछ विषयों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों का चयन होना बाकी है. इस बीच कई अभ्यर्थियों ने फीस को लेकर जिम्मेदारों से पूछा, जिसके बाद विश्वविद्यालय ने पार्ट टाइम पीएचडी की फीस का विवरण सार्वजनिक किया है. प्रति अभ्यर्थी 52,580 रुपये फीस तय की गई है. विज्ञान विषयों जैसे बाटनी, जियोलाजी, फिजिक्स, जूलाजी में प्रवेश लेने वालों को 8,000 रुपये प्रति वर्ष लैबोरेटरी फीस देनी होगी. वहीं, केमेस्ट्री और बायो केमेस्ट्री में प्रवेशित अभ्यर्थियों के लिए 16,000 रुपये और कला संकाय व एजुकेशन में प्रति वर्ष छह हजार रुपये लैबोरेटरी फीस तय की गई है. बैक पेपर/एग्जेम्पटेड फीस प्रति कोर्स वर्क 500 रुपये होगी.

फीस स्ट्रक्चर पार्ट टाइम पीएचडी 2020-21

एडमिशन फीस 2500 रुपये, गेम फीस 1000, लाइब्रेरी फीस 1500, ट्यूशन फीस 21,300, डेलीगेसी फीस 200 रुपये, इंफ्रास्ट्रक्चर फैसेलिटी फीस 4000 रुपये, पुअर ब्वायज फंड फीस 180 रुपये, एग्जाम फीस 500 रुपये, डेवलपमेंट फीस 15000 रुपये, कल्चरल एक्टिविटी फीस 6000 रुपये, म्युनिसिपल फीस 200 रुपये, आइडी कार्ड फीस 200 रुपये. कुल 52,580 रुपये.